सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 188 | जौनपुर, मंगलवार, 25 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा केन्द्रो का डीएम एस पी ने लिया जायजा

बहराइच(संवाददाता)। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित परीक्षाओ का जिलाधिकारीऔर पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परीक्षा केन्द्रो का जायजा लिया। आज 24फरवरी से शुरू हुई यूपी बोर्ड की नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के लिए जिलाधिकारी मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने महाराज सिंह इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी एवं अन्य तैयारियों की समीक्षा की स निरीक्षण के दौरान परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नकल या अनुशासनहीनता से बचे। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व पुलिसध्प्रशासन के अन्य अधिकारी मुस्तैद दिखे।

महाशिवरात्रि पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बहराइच(संवाददाता)। जिले में महाशिवरात्रि और होली त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। जिलाधिकारी मोनिका रानी और पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने आज महराजगंज कस्बे का दौरा किया। महराजगंज में पिछले अक्टूबर में प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा हुई थी। इसी को देखते हुए प्रशासन ने इस बार विशेष सतर्कता बरती है। अधिकारियों ने कस्बे में स्थित मंदिरों और शिव बारात के रास्तों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिरों के महंतों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उप जिलाधिकारी महसी, क्षेत्राधिकारी महसी और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

शराबी पति ने खुद को लगाई आग

बहराइच(संवाददाता)। जिले के खैरीघाट में युवक ने शराब के नशे में घर पहुंचकर पत्नी के साथ मारपीट की विरोध करने पर उसने अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली । शोर मचाने पर दौड़े ग्रामीणों ने आग बुझाई लेकिन तब तक वो बुरी तरह से झुलस चुका था । परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे , जहां पर हालत गंभीर देख उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है ।

खैरीघाट थाना क्षेत्र में स्थित बेहड़ा ग्राम के मजरा भदईपुरवा का रहने वाला अनूप कुमार शराब का आदी है । रविवार को शराब पीकर जब घर पहुंचा तो पत्नी निशा के साथ मारपीट शुरू कर दी । विरोध करने पर वो घर से बाहर चला गया। कुछ देर बाद वापस लौटने पर उसने अपने शरीर पर डीजल डाल आग लगा ली । पत्नी के शोर मचाने पर दौड़े ग्रामीणों ने आग बुझाई । इस दौरान वो बुरी तरह से झुलस गया । परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। पत्नी निशा ने बताया कि उनके पति अक्सर शराब पीकर घर आते थे और उनके साथ मारपीट करते थे। रविवार को भी नशे में विवाद करने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया।

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान की 19वीं किस्त

बोले- किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता

(एजेन्सी)

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर जिले से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने भागलपुर से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त के तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना बड़ा सौभाग्य है। इस धरती में आस्था भी है, विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य भी है। ये शहीद तिलका मांझी की धरती है और सिल्क सिटी भी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बाबा अजगैबीनाथ की इस पावन धरा पर इस समय महाशिवरात्रि की भी तैयारियां चल रही हैं। ऐसे पवित्र समय में, मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों को भेजने का सौभाग्य मिला है। करीब 22 हजार करोड़ रुपये एक क्लिक पर देशभर के किसानों के खातों में पहुंचे

हैं। उन्होंने दावा किया कि मैंने लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं। ये स्तंभ हैं– गरीब, किसान, महिला और नौजवान! NDA सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसान को खेती के लिए अच्छे बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद चाहिए, सिंचाई की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा चाहिए। पहले इन सभी पहलुओं को लेकर किसान संकट से घिरा रहता था। जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वो इन स्थितियों को कभी नहीं बदल सकते हैं। छक। सरकार ने इन स्थितियों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले जब बाढ़ आती थी, सूखा पड़ता था, ओले पड़ते थे... तब ये लोग (पहले की सरकारें) किसानों को उनकी हाल पर छोड़ देते थे। 2014 में जब आपने छक। को आशीर्वाद दिया तो मैंने कहा, ऐसा नहीं चलेगा। NDA सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना बनाई, इस योजना के तहत पौने दो लाख करोड़ रुपये का क्लेम किसानों को आपदा के समय मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत अधिक बढ़ा है। इससे किसानों को उनकी उपज की ज्यादा कीमत मिलने लगी है। कई कृषि उत्पाद ऐसे हैं, जिनका पहली बार निर्यात शुरू हुआ है।

सदन को हाईजैक करने नहीं दूंगा : महाना

लखनऊ(संवाददाता)। विधानसभा में आज जबर्दस्त हंगामा हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की टिप्पणी पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने विरोध जताया। सपा विधायक वेल में आकर विधायक नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पहले तो विपक्षी सदस्यों को समझा कर शांत करने का प्रयास किया मगर जब वो नहीं माने तो महाना को गुस्सा आ गया। वो अपनी कुर्सी से खड़े हो गए, वेल में मौजूद सपा विधायकों को सदन से बाहर जाने का आदेश दिया। महाना ने सख्त शब्दों में कहा, मैं सदन को हाईजैक करने नहीं दूंगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सपा विधायकों से बोले, आप मुझे बताइए क्या अपमान हुआ है, मैं माफी मंगवाऊंगा। अध्यक्ष के बार बार पूछने पर भी सपा विधायक यह नहीं बता पाए कि अपमान क्या हुआ उल्टा नारेबाजी करते रहे। तभी उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप लोग इस तरह से सदन की गरिमा से खिलवाड़ नहीं कर सकते। महाना ने अल्टीमेटम देते हुए कहा, मैं पांच साल के लिए सदन से बर्खास्त

कर दूंगा। फिर उन्होंने वेल में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों को सदन से बाहर भिजवा दिया। इस बीच कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि 20 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाए। महाना बोले, मैं किसी को भी सदन को हाईजैक करने नहीं दूंगा। आप विधानसभा को ऐसे चलाना चाहते हैं मैं ऐसा नहीं होने दूंगा, सख्त कार्रवाई करूंगा।

अदाणी पावर को विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के अधिग्रहण के लिए मिला लेटर ऑफ इटेंट

(एजेन्सी) नयी दिल्ली ।अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने सोमवार को कहा कि कंपनी को विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के अधिग्रहण के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) मिल गया है। अदाणी पावर को विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड की कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत सफल समाधान आवेदक के रूप में चुना गया था। क्रेडिटर्स की कमेटी की ओर से भी अदाणी पावर की समाधान योजना को मंजूरी दे दी गई है। एपीएल ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, षदिवाला और शोधन अक्षमता संहिता 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड के क्रेडिटर्स की कमेटी ने अदाणी पावर के समाधान योजना को मंजूरी दे दी है।ष एपीएल ने आगे कहा कि इसके लिए कंपनी को 24 फरवरी, 2025 को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) मिल गया है। इस अधिग्रहण का पूरा होना नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), मुंबई और अन्य नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक मंजूरी पर निर्भर करेगा। समाधान योजना एलओआई में लिखित शर्तों और कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार लागू किया जाएगा। विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के पास नागपुर में बुटीबोरी के एमआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में 300 मेगावाट की क्षमता के दो थर्मल पावर प्लांट हैं और कंपनी द्वारा ही इनका संचालन किया

भारतीय महिला शांति सैनिक कर्तव्य पूरा करने में सबसे आगे रही हैं : मुर्मु

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर जिले से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने भागलपुर से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त के तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना बड़ा सौभाग्य है। इस धरती में आस्था भी है, विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य भी है। ये शहीद तिलका मांझी की धरती है और सिल्क सिटी भी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बाबा अजगैबीनाथ की इस पावन धरा पर इस समय महाशिवरात्रि की भी तैयारियां चल रही हैं। ऐसे पवित्र समय में, मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों को भेजने का सौभाग्य मिला है। करीब 22 हजार करोड़ रुपये एक क्लिक पर देशभर के किसानों के खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने दावा किया कि मैंने लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं। ये स्तंभ हैं– गरीब, किसान, महिला और नौजवान! छक। सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसान को खेती के लिए अच्छे बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद चाहिए, सिंचाई की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा चाहिए। पहले इन सभी पहलुओं को लेकर किसान संकट से घिरा रहता था। जो लोग पशुओं का

चारा खा सकते हैं, वो इन स्थितियों को कभी नहीं बदल सकते हैं। छक। सरकार ने इन स्थितियों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले जब बाढ़ आती थी, सूखा पड़ता था, ओले पड़ते थे... तब ये लोग (पहले की सरकारें) किसानों को उनकी हाल पर छोड़ देते थे। 2014 में जब आपने छक। को आशीर्वाद दिया तो मैंने कहा, ऐसा नहीं चलेगा। NDA सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना बनाई, इस योजना के तहत पौने दो लाख करोड़ रुपये का क्लेम किसानों को आपदा के समय मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत अधिक बढ़ा है। इससे किसानों को उनकी उपज की ज्यादा कीमत मिलने लगी है। कई कृषि उत्पाद ऐसे हैं, जिनका पहली बार निर्यात शुरू हुआ है। अब बारी बिहार के मखाने की है। ये सुपर फूड है, जिसे अब दुनिया के बाजारों तक पहुंचाना है। इसलिए इस वर्ष के बजट में मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड बनाने का ऐलान किया गया है। उन्होंने कहा कि मखाना बोर्ड का जल्द ही गठन किया जाएगा, इससे बिहार के किसानों को लाभ मिलेगा।

10वीं, 12वीं का परीक्षा शुरू, सीएम योगी ने दी बधाई, मंत्री गुलाब देवी ने छात्रों को खिलाई मिठाई

लखनऊ(संवाददाता)। कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाएं आज, सोमवार सो शुरू हो गई हैं। जो 12 मार्च 2025 को समाप्त होगी। इस वर्ष 54.37 लाख से अधिक छात्र इन परीक्षाओं में भाग ले रहे हैं। परीक्ष के लिए राज्यभर में 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रश्न पत्रों की केंद्र बार कोडिंग की नई व्यवस्था की गई है। इस बीच प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने राजधानी लखनऊ स्थित राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज पहुंची, जहां उन्होंने परीक्षा देने आए छात्र–छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान परीक्षा केंद्र का निरीक्षण भी किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल

मीडिया मंच एक्स के जरिए परीक्षा देने वाले छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र–छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं। आप सभी पूर्ण आत्मविश्वास, धैर्य और पूरी क्षमता के साथ इस परीक्षा रूपी महोत्सव में सहभाग करें। परीक्षा को अपनी दिनचर्या का एक सहज हिस्सा मानकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। मां सरस्वती की कृपा आप सभी पर बनी रहे, आप सभी सफल हों, इस हेतु अनेकानेक मंगलकामनाएं! यूपी के बलिया जिले में बोर्ड परीक्षा को लेकर प्रशासन ने तगड़ी तैयारी की है। जिले में कुल 1 लाख 26 हजार 757 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं। जिसके लिए 163 परीक्षा केन्द्रों पर बोर्ड की परीक्षा चल रही हैं। नकल करते पकड़े जाने पर 1 करोड़ का जुर्माना और आजीवन जेल की सजा सुनाई जाएगी। प्रश्न पत्र खोलते समय 3 लोगों के हस्ताक्षर होंगे, नगरा, भीमपुरा क्षेत्र के सेंटरों पर विशेष निगरानी की जा रही है।

ममता बनर्जी ने की सरकारी डॉक्टरों के वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा

(एजेन्सी) कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के अस्पतालों के डॉक्टरों के वेतन में बढ़ोतरी और मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के 12 जूनियर डॉक्टरों का निलंबन खत्म करने की घोषणा की। बनर्जी ने अलीपुर के धन धान्य ऑडिटोरियम में चिकित्सकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षुओं से लेकर सीनियर तक सभी रैंक के डॉक्टरों के वेतन में 10–15 हजार रुपये और उससे अधिक की बढ़ोतरी की घोषणा की। डिप्लोमा के लिए सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर का वेतन मौजूदा 65 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये, पोस्टग्रेजुएट सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर का वेतन 70 हजार रुपये से बढ़ाकर 85 हजार रुपये और सीनियर पोस्टग्रेजुएट सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर का वेतन एक लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया। इंटर्न हाउस स्टाफ और पोस्ट–ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के भत्ते में 10 हजार रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी की गई। बनर्जी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के 12 जूनियर डॉक्टरों का निलंबन वापस लेने की भी घोषणा की, जिन्हें छह जनवरी को कथित लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया था। जूनियर डॉक्टरों की लापरवाही से प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य बीमार हो गयी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि जूनियर डॉक्टरों की ओर से कथित लापरवाही के कारण यह त्रासदी हुई। उन्होंने कहा, "सरकार ने डॉक्टरों का भविष्य बचाने के लिए निलंबन वापस ले लिया है।" बनर्जी ने डॉक्टरों को सरकारी अस्पतालों में आठ घंटे की ड्यूटी करने के बाद 30 किलोमीटर के दायरे में निजी प्रैक्टिस करने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशेवर मानवता का चेहरा हैं और इसका थोड़ा सा प्रदर्शन करने से मरीजों को बहुत मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विभागों के हर क्षेत्र में नियुक्तियां विभिन्न अदालती मामलों के कारण प्रभावित हुई हैं, जिनमें चिकित्सा और ओबीसी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल, पूर्व पुलिस कर्मियों और पूर्व सैनिकों को अस्पताल की सुरक्षा में लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि नौ अगस्त 2024 को आरजी कर अस्पताल में 31 वर्षीय महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने कार्यस्थल पर उचित सुरक्षा की मांग की।

महाकुम्भ का समापन समारोह 27 को, मुख्यमंत्री जताएंगे आभार

लखनऊ(संवाददाता)। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुम्भ का औपचारिक समापन 27 फरवरी को होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं समापन समारोह में आएंगे और इस दुनिया के सबसे बड़े आयोजन में अपनी भूमिका का निर्वहन करने वालों के प्रति आभार प्रकट करेंगे।समापन समारोह को लेकर मेला प्राधिकरण के अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। उससे पहले तीन और वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाने की तैयारी है। एक वर्ल्ड रिकॉर्ड स्वच्छता का बनाने की कोशिश होगी। 15 हजार से अधिक स्वच्छताकर्मी एक साथ स्वच्छता का महाभियान चलाएंगे। दो अन्य रिकॉर्ड भी बनाए जाएंगे। महाकुम्भ शुरू होने से महीनों पहले मुख्यमंत्री तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे थे। महाकुम्भ में पुण्य की डुबकी का संदेश इतने बड़े पैमाने पर पूरे विश्व में गया कि महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व से तीन दिन पहले ही 62 करोड़ से अधिक लोग डुबकी लगा चुके हैं।मेले में सनातन धर्म के शंकराचार्यों, संतों, नागाओं, कल्पवासियों से लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों, शीर्ष उद्योगपतियों, सिने कलाकार से लेकर हर वर्ग के लोगों ने डुबकी लगाई।

असम को लूट रहे हैं हेमंत विश्व शर्मा, उनके भ्रष्टाचार पर संज्ञान लें मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली ।कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा तथा उनके परिवार के लोगों पर जमीन, खनन, चाय बागान जैसे क्षेत्रों में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अपना अलग आर्थिक साम्राज्य चला रहे हैं और उनके इस भ्रष्टाचार की जानकारी सबको है, इसलिए असम की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस संबंध में उनसे सवाल पूछने चाहिए। असम कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, कि पार्टी के लोकसभा सदस्य पक्कीबुल हुसैन तथा प्रद्युत बोरदोलोई ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि शर्मा तथा उनके

परिवार की लोग असम में हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार कर रहे हैं और राज्य की संपदा को लूट कर अपना निजी आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं इसलिए मोदी को इसका संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा "क्या यह सवाल प्रधानमंत्री मोदी जी असम के मुख्यमंत्री विश्व शर्मा जी से पूछेंगे। आखिर मोदी ने असम के मुख्यमंत्री को ऐसा कौन सा जादू का चिराग पकड़ा दिया, जो विश्व शर्मा बिजनेस टायकून बन गए और असम में उन्होंने अपना पूरा साम्राज्य खड़ा कर दिया है। असम के मुख्यमंत्री के पास कई चाय बागान, न्यूज पोर्टल, मैकडॉनल्ड्स का बड़ा आउटलेट, इंटरनेशनल स्कूल और बहुत सारी जमीन है। माजुली, कामरूप, गुवाहाटी, नौगांव, गोलाघाट समेत ट्रायबल इलाकों में कई सारी जमीनें खरीदी गईं हैं, जहां जमीन नहीं खरीदी जा सकती। ये सब हो रहा है, तो क्या मोदी की एजेंसियां जांच कर रही हैं। पूरे देश में रैट–होल माइनिंग प्रतिबंधित है, लेकिन असम में मुख्यमंत्री की नाक के नीचे रैट–होल माइनिंग हो रही है।" उन्होंने सवाल किया कि खनन कौन कर रहा है। क्या खनन मुख्यमंत्री के सहयोगी या उनके मंत्रिमंडल के लोग कर रहे हैं। असम में भाजपा का नया नारा है– मोदी का साथ, हिमंत का विकास। प्रधानमंत्री असम जा रहे हैं लेकिन क्या उन्हें मालूम है कि उनके चहेते हिमंत विश्व शर्मा असम के अंदर क्या कर रहे हैं। क्या असम में जारी भ्रष्टाचार पर मोदी कार्रवाई करेंगे। असम में चाय बागान के मालिकों को डराया–धमकाया जा रहा है और मुख्यमंत्री के सहयोगी तथा उनके परिजन चाय बागान खरीद रहे हैं। चाय बागान चला रहे बड़ी कंपनियों के मालिक असम से चले गए। विश्व शर्मा चाय बागानों को खत्म कर कमर्शियलाइज करना चाहते हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा "विश्व शर्मा की पत्नी एलिफेंट कॉरिडोर में वाणी ग्रीन रिजॉर्ट चला रही हैं– क्या उन्होंने वहां पर रिजॉर्ट चलाने की परमिशन ली है। क्या प्रधानमंत्री जी की इसमें सहमति है। भाजपा ने हमारे कई नेताओं को डराने की कोशिश की है ।?लेकिन हम डरने

सम्पादकीय

आजादी का दुरुपयोग

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे–बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर दिए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि जैसे यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिये प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

द ग्रेट गेम

जो भारतीय जनता पार्टी यूएसऐड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फंसाने का जाल बुन रही थी, अंततरू उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फंस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि श्यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।श इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खंडन, परन्तु अब गेंद सीधे मोदी के पाले में है। केवल उन्हीं की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक सीमित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरते साफ दिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास मोदी के विरूद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रता का बार–बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी नहीं लगा सकते कि उनके या भारत के खिलाफ कतिपय ताकतें काम कर रही हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कह दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगने पर इसे शविदेशी ताकतों का हाथ बताया जाता हैश अथवा शविपक्ष के इशारे पर रची जाने वाली साजिशश। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक–साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झूठा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी करार देने वाले मोदी निरूत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकॉर्ड्स की छानबीन कर कह दिया है कि यूएसऐड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें वोटर टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस राशि को छिपाया गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा भाजपा को लाभ मिला है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे चिंताजनक बतलाते हुए कहा कि श्इसकी जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी। इस राशि का प्रदाय वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिये किया गया है, अतरू इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन–चार घंटों में बड़े पैमाने पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी। महाराष्ट्र में तो हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर के मतदाता पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहा जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मैनेज कीं वरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। तो क्या यह 21 मिलियन की राशि इस तरह से वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर खर्च की गयी जिससे भारत के कई चुनाव प्रभावित किये गये? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से मोदी व भारत के बारे में या उन्हें प्रभावित करने वाले बयानों की श्रृंखला में ट्रम्प ने बैलेट पेपर की भी बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गड़बड़ियां और कथित हेरा–फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही की गयी हैं। देश में इसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ईवीएम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी दल और सिविल सोसायटियां इसके खिलाफ हैं और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विपक्ष की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मांग नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव कराते हैं। अमेरिका में भी यही प्रणाली अपनाई जाती है। देश में कई लोगों ने कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग का विचार इसके ठीक विपरीत है।

सनातन, आस्था व विकास को समर्पित योगी सरकार का बजट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2025–26 के लिए सनातन को समर्पित करते हुए सामाजिक सरोकारों वाला व्यापक बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जीवन के हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। सर्वसमावेशी होने के कारण छात्र, किसान, व्यापारी, महिलाएं, विषय विशेषज्ञ और उद्योगपति सभी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। बजट में धर्मस्थलों के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। प्रदेश सरकार के बजट में हर उस क्षेत्र तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है जो आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बजट में अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण का प्रारम्भ महाकुंभ के आयोजन से किया और फिर धर्मस्थलों के विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर व मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर की स्थापना के बाद सरकार मथुरा में श्री बांकेबिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा–वृंदावन कॉरिडोर का निर्माण करायेगी। इसके लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ और निर्माण के लिए 50 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थपना के लिए 100 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही 25 करोड़ बजट के साथ पांच एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के केंद्र में वैदिक पर्यावरण, वैदिक गणित, वैदिक विधिशास्त्र, वैदिक योग विज्ञान, वैदिक वन औषधियां वनस्पति आदि पाठ्यक्रम होंगे। यहां पर बड़े वैदिक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाएगा, साथ ही वेदशाला,वैदिक संग्रहालय, तारा मंडल, संगोष्ठी कक्ष बनाये जाएंगे। केंद्र में गुरुकुल व आधुनिक पद्धति के अंतर्गत कक्षाएं बनायी जायेंगी। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत 400 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। अयोध्या में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 150 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मथुरा में 125 करोड़ नैमिषारण्य मे 100 करोड़ चित्रकूट में 50 करोड़ खर्च करने का प्रावधान किया गया है। मिर्जापुर में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर, मां अष्टभुजा मंदिर मां काली खोह मंदिर के परिक्रमा पथ व जनसुविधा स्थलों का विकास किया जायेगा। संरक्षित मंदिरो के जीर्णोद्वार के लिए 30 करोड़, महाभारत सर्किट के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़, जैन सर्किट के विकास के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी धन का प्रावधान किया गया है। गुरुस्वामी हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह के लिए एक करोड़ और अयोध्या में जिला स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के लिए भी एक करोड़ की धनराशि रखी गई है। योगी सरकार ने वर्तमान बजट से धार्मिक पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ प्रदीप्त की है। बजट में महापुरुषों पर भी ध्यान दिया गया है जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर लखनऊ में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही हर जिले में 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर सरदार पटेल जनपदीय आर्थिक क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। संत कबीर के नाम पर 10 वस्त्रोद्योग पार्क तथा संत रविदास के नाम पर दो चर्मोद्योग स्थापित किये जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके सम्मान में नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। लखनऊ स्थित अटारी कृषि प्रक्षेत्र पर 251 करोड़ रु. की लागत से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना होगी। प्रत्येक कृषि मंडी में माता शबरी के नाम पर कैंटीन और विश्रामालाय स्थापित किये जायेंगे।बजट में युवाओं और छात्राओं को आकर्षित करने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। अब प्रदेश की हर मेधावी छात्रा को स्कूटी दी जायेगी छात्राओं के लिए 400 करोड़ रु. रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का ऐलान किया गया है। यही नही माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास भी बनेंगे। प्रदेश के बजट में युवा उद्यमी अभियान के लिए भी 1000 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण उत्तर प्रदेश के व्यापक विकास का विस्तृत खाका बजट में रखा गया है। बजट के अनुसार अवध में केवल अयोध्या का ही विकास नहीं हो रहा अपितु अवध के हर जिले के विकास की अद्भुत पटकथा लिखी जायेगी। बजट के प्रावधान इस प्रकार से बनाये गये हैं कि एक प्रकार से यह आगामी 25 वर्षों के विकास का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है। उत्तर प्रदेश में चार नए एक्सप्रेस वे के निर्माण से तीन तीर्थस्थलों काशी, प्रयागराज व हरिद्वार की यात्रा सरल हो जायेगी। चार नए एक्सप्रेस वे के लिए बजट में 1,050 करोड़ रु. की व्यवस्था कर दी गई है। गंगा एक्सप्रेस वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जायेगा। इससे इस क्षेत्र के विकास की गति दोगुनी हो जायेगी व धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह युवाओं को रोजगार देने वाला बजट है। बजट में एमएसएमई, नई तकनीक, एआई व साइबर सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। नए एक्सप्रेस– वे बनने से दूर की यात्रा आसान होगी। नए एक्सप्रेस वे बनने से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एआई सिटी बनाने की घोषणा से स्टार्टअप और आईटी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश का बजट इंफ्रास्टक्चर को बढ़ावा देने के साथ बेरोजगारों को रोजगारपरक बनाने वाला बजट है। यह बजट राज्य की तकनीकी प्रगति औद्योगिक विकास और स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। प्रदेश के बजट में सड़क राजमार्ग के चौड़ीकरण पर भी पर्याप्त फोकस किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ राजधानी लखनऊ व उसके आसपास के जिलों व कस्बों आदि को मिलेगा। मोहनलालगंज –गोसाईगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस– वे निकल रहा है इसका चौड़ीकरण किया जायेगा। इसी तरह बनी से ही एक रोड हरौनी होते हुए मोहन को निकली है इसे भी दो लेन का किया जायेगा। यह बजट समग्र विकास वाला बजट है। इसमें किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। बजट में कोरोना काल में अनाथ 1430 बच्चों को आर्थिक सहायता प्रादन करने के लिए 250 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। बजट में सात सरोकारों पर्यावरण संरक्षण ,नारी सशक्तीकरण, जल सरंक्षण, सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, स्वस्थ समाज, गरीबी उन्मूलन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट का 23 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण अनुकूलन पहली पर खर्च किया जायेगा। सरकार वनीकरण, कार्बन अवशोषण और पयार्वरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण को और अधिक बढ़ावा देने जा रही है। इसी प्रकार सुशिक्षित समाज के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र पर कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जायेगा। इसी प्रकार स्वस्थ समाज के लिए कुल बजट का छह प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च होगा। प्रदेश में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के लिए 90 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसमें तालाबों का जीर्णोद्धार तथा निर्माणा भी शामिल है। जनसंख्या नियोजन के अंतर्गत युवाओं को नवाचार से जोड़ने के लिए इनोवेशन फंड स्थापित किया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन के लिए भी 250 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में सभी मंडल मुख्यालयों पर विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों द्वारा कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। ग्राम पंचायतों में वैवाहिक उत्सव एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए उत्सव भवन निर्माण की कार्ययोजना पर भी कार्य किया जायेगा। यह बजट सभी वर्गो के लिए है अर्थात समग्रता पर आधारित है जिससे इसकी छाप वैश्विक होने जा रही है। प्रदेश की सुदृढ़ होती कानून–व्यवस्था से देश विदेश के निवेशक भी अब आकर्षित हो रहे हैं तथा प्रदेश में भारी निवेश भी हो रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्तमान बजट से 2050 तक का लक्ष्य साधने का प्रयास किया है यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है जिसका सीधा अर्थ यह हे कि विकास का लक्ष्य और पैमाना बहुत बड़ा है। यह तुष्टिकरण वाला बजट नहीं अपितु सभी के संतुष्टिकरण वाला बजट है।

ध्यान भटकाने को जारी 'विदेशी हाथ' के आरोप

ज्योति मल्होत्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के घनिष्ठ मित्र एलन मस्क का यह बयान कि यूएसएड ने 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए थे, इसे भाजपा सत्य मान बैठी। ट्रम्प की इस हल्की–फुल्की टिप्पणी के बाद कि यह धन बाइडेन प्रशासन द्वारा 'किसी और को निर्वाचित करने' में मदद करने के लिए भेजा गया था,भारत में सत्तारूढ़ दल इसकी प्राप्ति को लेकर अब कांग्रेस को निशाना बना रही है– कुछ लोग इसे जैसे को तैसा कह सकते हैं।बेशक, ट्रम्प अपने समर्थकों को खुश करने के लिए ऐसी बयानबाजियां कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से, ठीक यही कुछ भाजपा भी अपने समर्थकों के लिए कर रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा रू 'यह जानकारी स्पष्ट रूप से बहुत परेशान करने वाली है और भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर 'चिंता' पैदा करती है। आप कह सकते हैं कि यह 'यह सब राजनीति' है, इस तूफान का मूल उद्देश्य राहुल गांधी को शर्मिंदा करने का एक प्रयास है ऐसा नहीं है कि उन्हें अपने बचाव में मदद की ज़रूरत है।

अत्यधिक कुख्यात 'विदेशी हाथ', जो कभी इंदिरा गांधी का अपने विरोधियों पर आरोप जड़ने का पसंदीदा ढंग था, अब फिर से प्रचलन में है। द ट्रिब्यून के अभिलेखागार में झांकें तो आपको पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा 'देश को बर्बाद करने पर आमादा' अज्ञात विदेशी ताकतों के जिक्र के अनेक उदाहरण मिलेंगे। बेशक, यह 40 साल पुरानी बात है, और निश्चित रूप से हम उन दिनों से आगे बढ़ चुके हैं और एक अधिक सुरक्षित व आत्मविश्वासी राष्ट्र बन गए हैं। इस सप्ताह, मार्सेल प्राउस्ट से क्षमा याचना सहित, ऐसा लग रहा है कि हम अतीत की यादों में खो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के घनिष्ठ मित्र एलन मस्क का यह बयान कि यूएसएड ने 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए थे, इसे भाजपा सत्य मान बैठी। ट्रम्प की इस हल्की–फुल्की टिप्पणी के बाद कि यह धन बाइडेन प्रशासन द्वारा 'किसी और को निर्वाचित करने' में मदद करने के लिए भेजा गया था,भारत में सत्तारूढ़ दल इसकी प्राप्ति को लेकर अब कांग्रेस को निशाना बना रही है– कुछ लोग इसे जैसे को तैसा कह सकते हैं।बेशक, ट्रम्प अपने समर्थकों को खुश करने के लिए ऐसी बयानबाजियां कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से, ठीक यही कुछ भाजपा भी अपने समर्थकों के लिए कर रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा रू 'यह जानकारी स्पष्ट रूप से बहुत परेशान करने वाली है और भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर 'चिंता' पैदा करती है। आप कह सकते हैं कि यह 'यह सब राजनीति' है, इस तूफान का मूल उद्देश्य राहुल गांधी को शर्मिंदा करने का एक प्रयास है दृ ऐसा नहीं है कि उन्हें अपने बचाव में मदद की ज़रूरत है। भले ही सप्ताहांत होते–होते इसका असर अपने–आप छितर भी जाता, पर जरा देखें तो कि 'बात के बतंगड़' ने अब तक क्या नुकसान पहुंचाया।सर्वप्रथम,शर्मिंदगी खुद विदेश मंत्रालय को उठानी पड़ी है, न कि कांग्रेस पार्टी को। दुनिया के बेहतरीन राजनयिकों से सज्जित भारत का विदेश मंत्रालय राजनीति के दलदल से ऊपर रहने की कोशिश करता आया है दृ और अधिकांशतः सफल भी रहा है। यह अकारण नहीं है कि भारत के कई प्रधानमंत्री पहले विदेश मंत्री भी रहे थे और जो नहीं थे, उन्होंने भी इसके मामलों में गहरी रुचि बनाए रखी है। (वास्तव में, भारत गणराज्य के प्रत्येक राजदूत के नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से किए जाते हैं)। यदि विदेश मंत्रालय की भूमिका राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है, तो उसे वह परंपरा कायम रखनी होगी कि खुद को सत्तारूढ़ दल द्वारा इस्तेमाल न होने दे। इसीलिए वह अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करता आया है। आखिरकार, शब्द ही एक राजनयिक के तरकश के एकमात्र तीर होते हैं, और प्रत्येक का अर्थ वही होता है, जो वह कहना चाहता है।दूसरा, इस मौजूदा तूफान का मतलब है कि भाजपा –और विदेश मंत्रालय भी– पिछले पखवाड़े में तीन अमेरिकी सैन्य उड़ानों के जरिये, बेड़ियों–हथकड़ियों में बंधे भारतीयों की वतन वापसी वाले विवाद को पीछे छोड़ चुके हैं। ट्रम्प से मिलने के उपरांत, प्रधानमंत्री के स्वदेश पहुंचने के तुरंत बाद, इनमें दो उड़ानें अमृतसर में उतरीं, लेकिन सरकार में किसी ने अभी तक यह जवाब नहीं दिया है कि क्या भारतीय पक्ष ने ट्रम्प के साथ इस मुद्दे को उठाया है। लेकिन वह कहानी खत्म

हो गई है। भारत सरकार आगे बढ़ चुकी है। हालांकि, तथ्य यह है कि कई सवाल अनुत्तरित हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि निर्वासित किए सिखों की पगड़ियां अकारण क्यों उतारी गईं। जहां तक सवाल है कि उन्हें बेड़ियां–हथकड़ियां क्यों पहनाई गईं, तो ऐसा लगता है कि अमेरिकी का तरीका यही है दृ जबकि कई अन्य देश ऐसा नहीं करते और उन्होंने अवांछित भारतीयों को घर भेजते समय ऐसा नहीं किया दृ लेकिन लगता है कि अमेरिकी कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते। मूल प्रश्न बना हुआ है। क्या अमेरिका में भारतीय दूतावास या दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिकों को बुलाकर उनसे जवाबतलबी की है कि उन उड़ानों में भारतीय नागरिकों के साथ इतना बुरा सुलूक क्यों किया गया? अमेरिकियों ने फिलहाल ऐसी उड़ानें बंद कर रखी हैं दृजाहिर है,निर्वासितों को पनामा और कोस्टा रिका में छोड़ना कहीं सस्ता पड़ता है। भारत का कहना है कि वह इन लोगों की पहचान की तसदीक कर रहा है दृ इसमें कुछ समय लग सकता है, मेरे शब्दों पर ध्यान दें, चूंकि यह प्रक्रिया सच में लंबी है और इसमें यह फैसला लेना भी शामिल है कि क्या इनमें कोई किसी अन्य दक्षिण एशियाई देश का नागरिक तो नहीं – भारतीय या पाकिस्तानी या कोई और?– या फिर सब के सब आपके अपने देश के हैं। इस बारे में सोचें, यदि आपके अवैध वीसा एजेंट ने आपका पासपोर्ट रख लिया या जंगल में कहीं फेंक दिया और आपके पास अब कोई पहचान के कागजात नहीं हैं, तो कोस्टा रिका या पनामा में भारतीय राजनयिक किस आधार पर यह तय करेगा कि उसके सामने खड़ा व्यक्ति भारतीय है या नहीं? उसका घर का पता क्या है? वह दिखता कैसा है? वह कौन सी भाषा बोलता है? तीसरा, तथ्य यह है कि मंटो की लघुकथा के किरदार टोबा टेक सिंह की बेमानी दुनिया में फंसे इन पुरुषों और महिलाओं की परवाह कौन करेदृइधर पंजाब में हालात तुलनात्मक रूप में बेहतर नहीं हैं, जहां कनाडा–अमेरिका अब भी लुभावने रहेंगे। गुजरातियों की भांति वे भी वहां पलायन करना चाहते हैं, जिनकी गिनती वहां पहुंचे लोगों में दूसरी सबसे बड़ी है दृ और ठीक वैसे ही, जैसे कि हम में से वह लोग, जिन्हें अमेरिकी वीजा पाने का चाव है। चौथा, अब वक्त है सीधे मुद्दे पर आने का। सच्चाई यह है कि मौजूदा तूफान वास्तव में आपको अपने आसपास की दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों का विश्लेषण करने से ध्यान भटकाने के वास्ते खड़ा किया गया है। रियाद में रूस–अमेरिका वार्ता के बाद, लगता है ट्रम्प एंड कंपनी रूसियों के साथ अच्छे संबंध बनाने के मूड में पूरी तरह से है। इससे भी महत्वपूर्ण यह कि ट्रम्प ने हाल ही में चीन के शी जिनपिंग को वाशिंगटन डीसी आने का न्यौता दिया है। तो क्या इसका मतलब यह हुआ कि याल्टा जैसा दूसरा सम्मेलन होने वाला है? यह कि, ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग जल्द ही अपने–अपने महाद्वीपों को संभालने जा रहे हैं दृ रूस को यूरोप और चीन को एशिया का जिम्मा सौंप दिया जाएगा? भले ही यह अतिशयोक्ति लगे, फिर भी आप बात समझ गए होंगे। आप दावे के साथ कह सकते हैं कि रूस और चीन भर में उत्साह की बयार बह रही है। और यही इस लेख का आखिरी सवाल हैरू यदि ट्रंप जिनपिंग से गलबहियां डालने जा रहे हैं, जोकि जाहिर है एक नई साहसिक दुनिया की तरह दिखाई दे रहा है, तो भारत का इसमें क्या स्थान है, खासकर तब जब भारत और मोदी चीन से अपने बचाव के लिए ट्रंप और अमेरिका को ढाल की भांति देख रहे थे? शायद, यह भारत को जगाने वाली चेतावनी है। कदाचित, यह वक्त अपने भीतर ध्यान केंद्रित करने और अपनी खुद की ताकत विकसित करने का है। जहां तक 'विदेशी हाथ' वाले हथकंडे की बात है,तो इसे ठीक उसी रूप में लें जैसा कि यह हमेशा से रहा है, केवल ध्यान भटकाने का एक टोटका।

अधिवक्ता विधेयक 2025 के संशोधन बिल के विरोध में अधिवक्ताओं ने किया रोड पर प्रदर्शन

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।राम नगरी अयोध्या में भी वकीलों का फूटा गुस्सा, अधिवक्ता विधेयक 2025 के संशोधन के विरोध में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर अधिवक्ताओं में कॉफी आक्रोश दिखा। राम पथ पर कचेहरी गेट के समाने भारी संख्या मे अधिवक्ताओ ने रोड पर उतरकर विरोध जताया हजारो अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर जमकर नारेबाजी की, वही अयोध्या सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओ ने बयान दिया कि केंद्र सरकार बिल वापस ले, 27 फरवरी को फिर बैठक होगी, जिसमें विरोध की रणनीति बनाई जाएंगी। इस तरह का काला कानून का बिल हम लोग पास नहीं होने देंगे किसी भी कीमत पर उसके लिए अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी रहेगा हम सरकार से अपील करेंगे कि इस तरह का बिल ना पास किया जाए। और अधिवक्ताओ के हित में जो हो जो उसकी सुरक्षा में हो इस तरह का बिल लाये और पास किया जाए।

वकीलों ने किया कलम बंद हड़ताल रजिस्ट्री, स्टांप वेंडर, टाइपिस्ट, तथा फोटो कापी की दुकानों पर दिन भर लगा रहा ताला

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। बार काउंसलिंग के आवाहन पर आज बीकापुर के अधिवक्ताओं ने कलम बंद हड़ताल करते हुए काले कानून के विरोध में अपना उग्र प्रदर्शन किया । इस दौरान रजिस्ट्री कार्यालय बीकापुर में दिन भर कामकाज ठप रहा । कोई भी दस्तावेज

लेखक बैनामा लिखते हुए नहीं देखा गया। वकीलों के उग्र आंदोलन को देखते हुए ज्यादातर दस्तावेज लेखक आज अपने शेड से वाक आउट हो गए। तो वहीं दूसरी तरफ कचहरी परिसर बीकापुर में स्टांप वेंडर, टाइपिस्ट, तथा फोटो कापी की दुकानों पर ताला लगा था। अधिवक्ताओं ने काले कानून के विरोध में कचहरी परिसर बीकापुर से पैदल मार्च करते हुए अधिवक्ता एकता जिंदाबाद काला कानून वापस लो जैसे नारे लगाए । अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा यदि सरकार काला कानून नहीं रद्द करतीं हैं तो प्रदेश के सभी अधिवक्ता राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन करेंगे जिसका परिणाम बहुत ही भयंकर होगा। जिसके चलते काले कानून के विरोध में बार एसोसिएशन बीकापुर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपनी अलग–अलग प्रतिक्रिया दी बीकापुर की अधिवक्ताओं ने क्या कुछ कहा आइये सुनाते हैं उन्हीं की जुबानी।

पात्र गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिए कराएं आवेदन–जिलाधिकारी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने फील्ड कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्प संख्यक वर्ग को छोड़कर) शादी अनुदान योजना के पात्र पात्र लाभार्थियों का आवेदन कराएं। योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति करने के लिए उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री, ग्राम पंचायत अधिकारी, पंचायत सहायक एवं लेखपाल के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार और ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की होने वाली और संपन्न हो चुकी शादियों का चिन्हांकन कराते हुए सप्ताह भर के भीतर पात्रता की दशा में कम से कम दो पात्र आवेदकों से आनलाइन आवेदन कराएं। शादी अनुदान योजना समाज के गरीब एवं निः सहाय व्यक्तियों के लिए है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में से एक है।

आवेदक आबकारी विभाग के आधिकारिक बेबसाइट पर ही करे आवेदन - डीईओ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कोई भी आवेदक किसी भी बिचौलिए व दलालों के चक्कर में न पड़कर सीधे ई–लॉटरी के लिए आबकारी विभाग की एकमात्र आधिकारिक वेबसाइट exciseelotteryup.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करें।वही सभी आवेदक इस नकली वेबसाइट से upexciseelotteryupsdcgovco.in सावधान रहे। यह आबकारी विभाग की ई–लॉटरी की आधिकारिक वेबसाइट नहीं है।यह बातें जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चंद्र मिश्र ने दी।उन्होंने बताया कि नकली वेबसाइट पर अपराधिक तत्वों द्वारा लोगों से अवैध रूप से धोखाधड़ी करके वसूलने के लिए बनायी गयी हो। आबकारी विभाग इस वेबसाइट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर रहा है।ई–लाटरी हेतु किसी जानकारी अथवा शिकायत के लिए 7355304913, 7838522111 सीधे संपर्क कर सकते हैं।वर्ष 2025–26 के लिए 228 देशी मदिरा की दुकानों के लिए व अंग्रेजी तथा वियर की दुकानों के स्थानों पर कुल मिलाकर 125 कम्पोजिट दुकाने स्वीकृत की गई है।इसके अलावा 3 मॉडल शाप,9 भांग की दुकानों के लिए 27 फरवरी 25 तक 5.00 बजे शाम तक आवेदक ई लॉटरी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि ई लाटरी प्रक्रिया 6 मार्च 2025 को प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यालय पर 11:00 होगी।जो पूर्ण रुप सें कंप्यूटरीकृत, निष्पक्ष व पारदर्शी रहेगी।

प्रवेश पत्र पर किसी भी तरह की त्रुटि अंकित होने पर परीक्षार्थियो को परेशान ना करें केंद्र व्यवस्थापक - डाँ पाण्डेय

अयोध्या।बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले जिन परीक्षार्थियों का किसी कारणवश उनके प्रवेश पत्र पर गलत नाम,विषय,लिंग गलत हो गया है तो संबंधित परीक्षा केदो पर केंद्र व्यवस्थापक व कक्ष निरीक्षक उन्हें परीक्षा देने से वंचित न करें।और उनका किसी तरह से उत्पीड़न ना करें।क्योंकि बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन कुछ ऐसी असुविधा बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को उठानी पड़ी थी।इस संबंध में सह जिला विद्यालय निरीक्षक डाक्टर अवनीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस गंभीर समस्या को बोर्ड ने संज्ञान में लेते हुए यह निर्देश

जारी किया है। बताया कि कार्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश वाराणसी के अपर सचिव डॉक्टर विनोद कुमार राय द्वारा कार्यालय को पर पत्र जारी किया है जिसमें यह निर्देश दिया है अगर बोर्ड परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थियों को किसी प्रकार के समस्या उत्पन्न होती है तो उसे समस्या के समाधान के लिए क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर 24'7 हेल्पलाइन नंबर–0542– 2509990 पर संपर्क कर सकते हैं।बताया कि इसके अलावा किसी भी समस्या के समाधान के लिए परीक्षार्थी जिला विद्यालय निरीक्षक के सरकारी नंबर 9454 457325 पर भी संपर्क कर सकते हैं।वही बोर्ड परीक्षा प्रभारी प्रदीप मिश्रा ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी के निर्देश पर बोर्ड परीक्षा नियंत्रण कक्ष मे लगे सीसीटीवी कैमरे को चौबीस घंटे चालू करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिव सत्संग मण्डल का महाशिवरात्रि महोत्सव 26 फरवरी को

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) शिव सत्संग मंडल द्वारा 26 फरवरी, बुधवार को सायं 08 बजे से महाशिवरात्रि महोत्सव ,शिव सत्संग मण्डल आश्रम,हुसेनापुर धौकल(मियांपुर) में सांसद जय प्रकाश रावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा।महाशिवरात्रि महोत्सव के संचालक अम्बरीष कुमार सक्सेना के अनुसार महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य बनाने के लिए मण्डल के पदाधिकारी घर घर जाकर धर्मानुरागियों से शिव सत्संग मंडल के महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल होने का आग्रह कर रहे हैं।इस धार्मिक आयोजन में विविध क्षेत्रों के प्रशासनिक अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। मण्डल के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पांडेय के अनुसार महाशिवरात्रि की विशेष धार्मिक मान्यता होती है. इस दिन पूरे मनोभाव से भगवान शिव की पूजा की जाती है। महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव के भक्तों के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण होता है. यह पर्व पूरे देश में बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। जिसमें भक्तगण हर्षोल्लास से भाग लेते हैं. महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा करने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है.यह पावन दिन है भक्तजन इस शुभ दिन पर रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जप, और शिवलिंग पर जल व बेलपत्र अर्पित कर भगवान शिव को प्रसन्न करते हैं. यह पर्व भक्तों के लिए आत्मशुद्धि, ध्यान और शिव भक्ति में लीन होने का एक सुनहरा अवसर देता है। हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस विशेष दिन पर भगवान शिव की पूजा, रुद्राभिषेक और व्रत का विशेष महत्व होता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर पूरे दिन शिव मंदिरों विशेष पूजा–अर्चना का आयोजन होता है और शिव भक्त शिव का जाप करते हैं. रात्रि में जागरण कर शिव आराधना की जाती है. ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल मिलता है और भक्तों के समस्त कष्ट दूर होते हैं। यह पर्व न केवल आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है बल्कि समाज में एकता और समरसता का भी संदेश देता है। उनका कहना है कि महाशिवरात्रि के दिन भक्तों को ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर साफ वस्त्र धारण करने चाहिए और व्रत का संकल्प लेना चाहिए।महोत्सव में समीपवर्ती जनपदों के भी श्रद्धालु भक्तजन शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में हाई स्कूल से परास्नातक तक के मेधावी छात्र एवं शोध शिक्षार्थी सम्मानित किये जायेंगे। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर्व पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया जायेगा। महाशिवरात्रि महोत्सव का आकर्षण सामूहिक शिव अर्चना, भजन एवं प्रवचन होंगे।

नकाब उतारने से मना करने पर छात्राओं ने परीक्षा देने से इनकार किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो चुकी हैं। परिक्षा शुरू होते ही पहले दिन सोमवार को कुछ मुस्लिम लड़कियों द्वारा नकाब पहनने से मना करने पर लड़कियों में परीक्षा छोड़ दिया और घर लौट गई। मामला खेतासराय थाना क्षेत्र के खुदौली इंटर कालजे में यूपी बोर्ड सोमवार के दिन हिंदी का पेपर की सुबह की पाली में हाई स्कूल की परीक्षा के दौरान चार छात्राओं ने परीक्षा देने से इनकार कर दिया। और परिजनों के साथ घर लौट गई,वही इन छात्राओं को देखकर कालेज की कुछ छात्रोंओ ने भी परीक्षा छोड दिया। सभी एक ही घर की बताई जा रही है। बोर्ड की परीक्षा के प्रथम पाली में हिंदी की परीक्षा से पहले दिन सर्वोदय इण्टर कालेज खुदौली पर छात्राओं को गेट के अंदर एक कक्ष में ले जा कर नकाब उतार कर चेकिंग के बाद परीक्षा कक्ष में जाने दिया जा रहा था। बहुत सी छात्राएं इन नियमों का का पालन करते हुए अंदर चली गई। चार छात्राओं ने इस पर आपत्ति जता दी और नकाब उतारने से इनकार कर दिया। इस पर गेट के बाहर खड़े परिजन उन चार छात्राओं को घर वापस ले कर चले गए। वही इस मामले में मंगलवार को बात करते हुए केंद्र व्यवस्थापक दिनेश

चंद्र गुप्ता ने बताया कि यूपी बोर्ड की हिन्दी परीक्षा के दौरान परीक्षा कक्ष में जाने से पूर्व नियमों का पालन कराया जा रहा था। 4 छात्राओं सहित अन्य छात्राओं द्वारा नियमों का पालन करने से इनकार करने पर वापस चली गई।वही इस कालेज में कुल 153 मुस्लिम छात्राएं है जो यूपी बोर्ड कि परीक्षा दे रही है,जब महिला अध्यापिकाओं के द्वारा प्रवेश पत्र से मिलान करने की बात कही गई तो लड़कियों ने भी सहमति जताई।खेतासराय स्थित मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल का सेंटर खुदौली स्थित सर्वोदय इण्टर कॉलेज में गया है वही इस मामले में छात्राओं के अभिभावकों अब्दुल रहीम का कहना है कि पहचान के लिए चेहरा खुला होने के बावजूद हिजाब हटाने के लिए दबाव बनाया जा रहा था । हिजाब न निकालने पर परीक्षा में बैठने नहीं दिया गया । अभिभावकों के मुताबिक स्कूल प्रशासन से विनती की गई कि महिला शिक्षक से चेक करने के बाद हिजाब पहने रहने की अनुमति दी जाए परीक्षा कक्ष में चेहरा खुला रहेगा । आरोप है कि बार बार कहने के बाद भी केन्द्र व्यवस्थापक ने 10 छात्राओं को परीक्षा देने से रोक दिया । परीक्षा से वंचित छात्राओं में गुरैनी निवासी जैनब, फातिमा, मरियम, नायमा पुत्री अब्दुर्रहीम, उम्मेखौला, रुश्दा पुत्री अहमदुल्लाह, जुबिया पुत्री अहमद वासीम, हुमैरा पुत्री अहमद नईम, सिद्दीका पुत्री अहमद शमीम, काशिफा पुत्री तुफेल शामिल है । इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार से टेलीफोन पर वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि उनके संज्ञान में इस तरह का कोई मामला नहीं है और कोई बड़ी बात नहीं है बोर्ड द्वारा बनाए गए के नियमों का सभी को पालन करना होगा।

अधिवक्ता कानून 2025 के विरोध में अधिवक्ता लामबंद,सरकारी कार्यालयों पर किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरकार द्वारा लाए गए नए अधिवक्ता कानून 2025 के विरोध में मंगलवार को बड़ा प्रदर्शन हुआ। दीवानी बार एसोसिएशन और कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के सैकड़ों अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री कार्यालय जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारी वकीलों ने कोषागार का भी घेराव किया। उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। वकीलों का कहना है कि नया कानून उनके काम में बाधा उत्पन्न करेगा। दीवानी न्यायालय के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर सरकार यह कानून वापस नहीं लेती है तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। अध्यक्ष ने मीडिया से कहा अगर सरकार यह कानून वापस नही करती है तो हम सभी अधिवक्ता बड़ा आंदोलन करेंगे,सरकार की आमदनी के हर जरिये पर चोट करेंगे तथा प्रत्येक कार्यालय का घेराव करेंगे यहां तक रेल भी रोकेंगे उन्होंने चेतावनी दी कि वकील सरकार की आय के सभी स्रोतों को प्रभावित करेंगे। साथ ही सभी सरकारी कार्यालयों का घेराव करेंगे और रेल रोको आंदोलन भी करेंगे।इस अवसर पर हजारों की संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा के पहले दिन एक मुन्ना भाई गिरफ्तार नए नियमों के तहत मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जनपद में 24 फरवरी सोमवार से शुरू हुई बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन सोमवार को ही एक मुन्ना भाई गिरफ्तार किया गया है।बदलापुर थाना क्षेत्र के आर्य इंटर कॉलेज लेदुका में हाई स्कूल की परीक्षा के दौरान केंद्र व्यवस्थापक ने जब छात्रों की सघन तलाशी ली तो अभिषेक गौतम नामक परीक्षार्थी की जगह सौरभ कुमार परीक्षा दे रहा था। अभिषेक गौतम का पता गौरीगंज दर्ज था। जबकि सौरभ कुमार का पता ग्राम हैदरपुर थाना तेजी बाजार जौनपुर दर्ज था। दोनों के प्रवेश पत्र में चस्पा फोटो का मिलान किया गया तो मामला संदिग्ध नजर आया । मामले की जानकारी फौरन डीआईओएस राकेश कुमार को दी गई। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक से सख्त कार्रवाई का निर्देश देते हुए मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। इस संबंध मे परीक्षा कंट्रोल रूम के प्रभारी ब्रह्मजीत यादव ने बताया कि तिलक इंटर कॉलेज बरबसपुर का यह संस्थागत छात्र है।यहां का परीक्षा केंद्र आर्य इंटर कॉलेज लेदुका में गया है। इस संबंध में बदलापुर थानाध्यक्ष ने बताया कि मुन्ना भाई के रूप में पकड़े गए फर्जी परीक्षार्थी सौरभ कुमार के खिलाफ नई परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। जिले के 218 परीक्षा केदो पर यूपी बोर्ड हाई स्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षा कराई जा रही है।हाई स्कूल में 74938 परीक्षार्थी और इंटरमीडिएट में 80 हजार 164 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।दोनों पालियों में जिले भर में 15 लाख 51 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। हाई स्कूल में सुबह की पाली में 3500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दिया । जबकि इंटरमीडिएट द्वितीय पाली की परीक्षा में 3944 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। नकल पर नकेल कसने के लिए योगी सरकार की सख्ती का सबसे बड़ा असर जौनपुर में देखने को मिल रहा है। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र, एसपी डॉ कौस्तुम्ब द्वारा शिक्षा माफियाओं को दी गई कड़ी हिदायत के चलते जौनपुर में नकलचियों के मंसूबे पर पानी फिर रहा है।

जो छात्र पढ़ाई के लिए दिल्ली, प्रयागराज नहीं जा सकते उन्हें सभी जानकारी इस संस्थान में मिलेगी - राजन सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रशिक्षण आईएएस व प्रशिक्षण क्लासेज कोचिग गुरूद्वारा रोड निकट होटल रिवर व्यू सिपाह के संस्थापक राजन सिंह ने पत्रकारों को बताया कि कोचिग की स्थापना हो चुकी है। जिसमें क्लासेज के साथ साथ टेस्ट व साक्षात्कार की तैयारी करायी जाती है तथा छात्रों को मार्गदर्शन किया जाता है। प्रशिक्षण आईएएस के माध्यम से आईएएस व स्टेट पीसीएस तक प्रशिक्षण के माध्यम से अन्य प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी करायी जाती है। बैक, टीचिग, एसएससी रेलवे, डिफेन्स, यूपी व दिल्ली पुलिस व फाउण्डेशन क्लासेज भी चलायेगे। उन्होने बताया कि इस संस्थान का उद्देश्य है कि जो छात्र दिल्ली, प्रयाग राज व वाराणसी, नहीं जा सकते तथा लम्बी तैयारी वहां रहकर नहीं कर सकते तथा होनहार छात्र छात्रायें अच्छी शिक्षा से वंचित रह जाते है। वे उच्च कोटि के शिक्षा से वंचित न रह जार्य।13 फरवरी से एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। स्कालरशिप टेस्ट 25 फरवरी को है इसमें अधिक से विद्यार्थी भाग ले। संस्थापक ने बताया कि इसके सभी शिक्षक दिल्ली व प्रयागराज में क्लासेज लेते आये है व अनुभवी है। उन्होने अभिभावकों एव विद्यार्थियों से निवेदन किया कि बड़ी संख्या में आये और संस्था को अपनी कामयाबी का माध्यम बनाये। इसी संस्थान के साथ ग्राम बगथरी (स्व. श्री बंशराज सिंह पुरम) आजाद नगर मुफ्तीगंज में दिल्ली बोर्ड द्वारा संचालित ओम श्री माँ ग्लोबल स्कूल जो सीबीएससी द्वारा संचालित है। उसमे पीजी से लेकर 12वी तक एडमिशन प्रारंभ हो गए है। जिसके सभी अध्यापक केरल, पूर्वोत्तर भारत, दार्जलिंग व मुंबई से बच्चो को शिक्षा देने के लिए आ रहे है। इसी वर्ष ही पैरामेडिकल कॉलेज व 100 बेड का –सुविधा के साथ एमआरआई, सिटी स्केन, इको, सोनाग्रफी हास्पिटल भी प्रारंभ हो जायेगा। जो सुविधा महानगरों में उपलब्ध है वह सभी सुविधाए यहां लाने का छोटा सा प्रयास है।

हरदोई पुलिस ने आई0जी0आर0एस0 के प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में माह जनवरी–2025 की रैंकिग में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।जनपद हरदोई द्वारा आई०जी०आर०एस० के प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में माह जनवरी–2025 की रैंकिग में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। माह जनवरी 2025 में जनपद के 24 थाने भी प्रथम स्थान पर रहे। अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ, जोन लखनऊ द्वारा

अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तण्ड प्रकाश सिंह, निरीक्षक संजय पांडेय, आरक्षी मुजम्मिल, आरक्षी योगेंद्र प्रताप सिंह, आरक्षी करीमुद्दीन, म0आ0 दीपा व आरक्षी भूपेंद्र कुमार को प्रदत्त सराहनीय प्रशस्ति पत्र पुलिस अधीक्षक, जनपद हरदोई द्वारा प्रदान कर उनके कार्यों की प्रशंसा की गई।

सोशल मीडिया रोजगार दिलाने में है सहायक- डॉ. दिग्विजय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल में मंगलवार को विद्यार्थियों के लिए रोजगार और सोशल मीडिया पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया के प्रयोग एवं रोजगार के लिए उसके उपयोग पर विस्तार से चर्चा की. विशेष व्याख्यान में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि आज कल बहुत से नियोक्ता बेहतर लोगों की तलाश में सोशल मीडिया के मंचों का सहारा ले रहे है. इसलिए सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत प्रोफाइल बनाये. उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से रोजगार की तलाश करने वालों को संपर्क बनाने में काफी मदद मिलती है. इसके साथ ही बहुत सारी ऐसी प्रोफेशनल बातें सीखने

को और जानने को मिलती है जो अन्य मंचों पर उपलब्ध नहीं होती. उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में आपको रोजगार की तलाश करना है उससे जुड़े समूहों, कंपनियों से ऑनलाइन जुड़ाव करे. इसके साथ ही ऑनलाइन होने वाली गंभीर चर्चा में भी अपनी बात रखे. उन्होंने कहा कि अत्यधिक सोशल मीडिया के प्रयोग से आजकल गोपनीयता का भी संकट आ गया है. अनावश्यक सामग्रियों को सोशल मीडिया मंचों पर पोस्ट करने से बचना चाहिए. विशेष व्याख्यान में विद्यार्थियों को उन्होंने ऑनलाइन पोस्ट लेखन की तकनीकी से भी परिचित कराया.। उन्होंने बताया की आजकल कॉर्पोरेट सेक्टर उमीदवारों की नियुक्ति के पहले उनके सोशल मीडिया की प्रोफाइल की अच्छे से पड़ताल करते है. कई बार पहले से किये गए सोशल मीडिया के पोस्ट से नौकरी नहीं मिल पाती. इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कवि सभाजीत द्विवेदी प्रखर महाकुम्भ में हुए सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रयागराज महाकुम्भ स्थित रानी दुगीवती मण्डप में साहित्यिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम में में उत्कृष्ट उद्‌बोधन व काव्यपाठ के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित किया गया। संस्कृति और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम आईएएस, डायरेक्टर संस्कृति विभाग आईएएस शिशिर तथा निदेशक जनजाति संस्कृति विभाग अतुल द्विवेदी ने सम्मानित किया। उन्होंने प्रखर जी को प्रमाण पत्र, महाकुम्भ का लोगो तथा अंगवस्त्रम प्रदान किया। महाकुम्भ के प्रचार प्रसार की उत्तम प्रस्तुति और सहयोग के लिए मेला प्रशासन ने वरिष्ठ कवि प्रखर के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। देश विदेश से आये स्नानार्थियों ने महाकुम्भ पर कविता सुनकर तालियों की गड़गड़ाहट से प्रखर जी का उत्साह वर्धन किया।

श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो पलटी 6 लोग घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,25 फरवरी । कपिलवस्तु (नेपाल) से प्रयागराज स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं की बोलेरो सुजानगंज थाना क्षेत्र के नागौली मोड़ पर मंगलवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। चालक को झपकी आने से गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में बोलेरो में सवार 6 लोग घायल हो गए।घायलों में तारा (42), उनके पति जीत बहादुर, लोकनाथ (झब्बी लाल के पुत्र), ओमनाथ (टीकाराम के पुत्र), धेमकला (लोकनाथ की पत्नी) और विकास (बाबू राम के पुत्र) शामिल हैं। सभी कपिलवस्तु, नेपाल के निवासी हैं। दूसरी बोलेरो में सवार हरिश्चंद्र ने बताया कि वे दो गाड़ियों में कुल 12 लोग प्रयागराज गए थे। मधुपुर में चाय–नाश्ता करने के बाद जब वे नागौली मोड़ पर पहुंचे, तभी आगे चल रही बोलेरो खाई में जा गिरी। पीछे आ रही दूसरी बोलेरो में सवार लोगों ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र सुजानगंज पहुंचाया। स्वास्थ्य अधीक्षक डॉ. देवेंद्र पाल ने बताया कि सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार और मरहम–पट्टी के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई।कोई गंभीर रूप से घायल नहीं है सभी सुरक्षित घर गए हैं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की भव्य दिव्य लीला से गुंजायमान हुआ रामनगर

अमेठी (संवाददाता) । रामनगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन का आयोजन भक्ति, उल्लास और दिव्यता से भरपूर रहा। कथा वाचिका साध्वी सृष्टि लता रामायणी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की लीला को इतने मनोहारी ढंग से प्रस्तुत किया कि पूरा पंडाल भक्ति के सागर में डूब गया। भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य से पूर्व साध्वी ने समुद्र मंथन की अद्भुत कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि जब समुद्र मंथन हुआ, तब अमृत की बूंदें प्रयागराज, नाशिक, उज्जैन सहित चार स्थानों पर छलकीं, जिससे वहां महाकुंभ की परंपरा प्रारंभ हुई। भगवान श्रीहरि ने मोहिनी रूप धारण कर देवताओं को अमृत बांटा, किंतु राहु–केतु ने छलपूर्वक इसे ग्रहण कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप आज भी उनकी छाया ग्रह के रूप में जानी जाती है। उन्होंने बताया कि जब–जब पृथ्वी पर अधर्म, अन्याय और अत्याचार बढ़ता है, तब–तब भगवान स्वयं अवतरित होते हैं। इसी क्रम में, कंस के अत्याचारों से त्रस्त देवताओं और भक्तों की प्रार्थना सुनकर भगवान श्रीहरि ने देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण रूप में अवतरण लिया। जैसे ही कथा वाचिका ने श्रीकृष्ण जन्म की घोषणा की, संपूर्ण पंडाल भक्तिमय जयकारों से गूंज उठाकृ'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'। महिलाओं ने सोहर गाए, श्रद्धालु भाव–विभोर होकर नृत्य करने लगे, और भगवान के जन्मोत्सव पर भव्य झांकियां प्रस्तुत की गईं। पूरे पंडाल को रंगीन गुब्बारों और पुष्पों से अलौकिक स्वरूप प्रदान किया गया। भगवान के जन्म पर भक्तों को माखन–मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। इस दिव्य आयोजन में अमेठी भूपति महाराज डॉ. संजय सिंह और महारानी डॉ. अमिता सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पुण्य लाभ प्राप्त किया। कथा के मुख्य यजमान राजेश कुमार गुप्ता, बाबूलाल गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, उमाशंकर मनोज, रमेश गुप्ता, विशाल गुप्ता, आदर्श, अभय अर्जित सहित हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर के साक्षी बने। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की अलौकिक छटा देखते ही बन रही थी। पूरे रामनगर में भक्ति और उल्लास का ऐसा दिव्य संगम था कि हर भक्त का हृदय प्रेम, श्रद्धा और आनंद से ओतप्रोत हो उठा।

सामूहिक विवाह का कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिद्धार्थनगर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत सामूहिक विवाह का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून एवं जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा एवं जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 548 जोड़ो में 499 हिन्दू समुदाय तथा 49 मुस्लिम समुदाय के जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ, हिन्दू परिवार के लोगों को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी धूमधाम से होने की चिन्ता रहती है, आज मुख्यमंत्री द्वारा उनकी चिन्ता को दूर करते हुये समान रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से भव्य रूप से करने का कार्य किया है। शादी के साथ ही आपको रोजगार मेला के माध्यम से रोजगार भी उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार में सम्मिलित होकर रोजगार प्राप्त करें। उन्होंने सभी नवयुगल जोड़ों को अर्शीवाद दिया। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि सीएम योगी द्वारा सदैव गरीबों के लिए चिन्ता रहती है। गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की चिन्ता रहती है इसलिए मुख्यमंत्री द्वारा गरीब परिवारों के बेटियों की शादी के लिए सभी जिलों में सामूहिक विवाह के माध्यम से शादी करायी जा रही है। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सामूहिक विवाह के माध्यम से गरीब परिवार के बेटियों की शादी कराना सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री गरीबों को समानता की श्रेणी में लाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज इतनी बड़ी संख्या में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी सम्पन्न हो रही है। सभी नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक जोड़े के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 35000 दिया जा रहा है तथा 10000 का सामान भी दिया गया है तथा 6000 बारात के स्वागत पर व्यय किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी नवयुगल जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय समेत संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक क्लिक पर मिलेगी जर्नल और शोध सामग्री – प्रो. राजकुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में ष्वन नेशन वन सब्सक्रिप्शनष योजना पर कार्यशाला मंगलवार को आयोजित हुई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह की शैक्षिक उन्नयन मुहिम के तहत मानद पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजकुमार ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए

यह सुअवसर है जिसका लाभ हर शिक्षक और विद्यार्थी को मिले। इसकी कार्ययोजना प्रगति पर है जिसे शीघ्र ही अमलीजामा पहनाया जाएगा। तकनीकी और संचार के युग में हमें एक ही प्लेटफार्म पर हर विषय के जर्नल और शोध सामग्री एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। तकनीकी सत्र में डॉ. विद्युत मल ने बताया कि 6500 से अधिक संस्थान इसके सदस्य हैं, जिससे 1.38 करोड़ शोध सामग्री निःशुल्क उपलब्ध है। यह सुविधा विवि के हॉस्टल, पुस्तकालय व संकाय भवनों में आई.पी. आधारित एक्सेस से मिलेगी। एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने इसे शैक्षणिक क्रांति बताया। साथ ही कहा कि इंटरनेट की उपलब्धता होने पर इस योजना को गति मिलेगी। व्यवसाय प्रबंधन के डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह ने इसे विवि की प्रगति में सहायक कहा। प्राध्यापक उद्देश्य सिंह ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं। तकनीकी सहायक प्रशांत यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्राध्यापक व छात्र उपस्थित रहे

महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव, कुलपति कविता शाह ने किया शुभारंभ

बस्ती(संवाददाता)। बस्ती महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति कविता शाह ने दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। कुलपति शाह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और उच्च लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय समिति के संजय उपाध्याय और प्राचार्या सुनीता तिवारी मौजूद रहीं। समाजशास्त्री डॉक्टर रघुवर पांडेय भी उपस्थित थे। प्राचार्या तिवारी ने महाविद्यालय की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। छात्राओं ने नृत्य, संगीत और नाटक की प्रस्तुतियां दीं। दर्शकों ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। महाविद्यालय परिसर को रंग–बिरंगी सजावट से सजाया गया था। समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी अतिथियों ने महाविद्यालय की प्रगति के लिए शुभकामनाएं दीं।

विवाहिता की गला घोंटकर हत्या,गेहूं के खेत में मिला शव

बस्ती(संवाददाता)। नगर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। रानीपुर बेलाड़ी गांव में 32 वर्षीय मधुमालती का शव गेहूं के खेत में मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि महिला की गला घोंटकर हत्या की गई। रविवार को परिजनों ने खेत में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। नगर थाने के एसओ देवेंद्र सिंह के अनुसार घटनास्थल से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस मोबाइल से हत्या के राज से पर्दा उठने की संभावना है। पुलिस ने मोबाइल को जांच के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

अधिवक्ताओं ने न्याय मार्ग किया जाम, संशोधन बिल के खिलाफ की नारेबाजी

बस्ती(संवाददाता)। अधिवक्ता संशोधन बिल के विरोध में वकीलों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को अधिवक्ताओं ने न्याय मार्ग पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र नाथ दुबे ने कहा कि वे अपनी मांगों को मनवाकर ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को यह काला कानून वापस लेना ही होगा।

दिव्यांगों के शोषण पर फूटा आक्रोश, आर–पार की लड़ाई का ऐलान

अमेठी (संवाददाता)। मुसाफिरखाना नगर पंचायत स्थित गांधी पार्क में सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर समिति के बैनर तले दिव्यांगों की एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें सैकड़ों दिव्यांगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष का संकल्प लिया। बैठक में दिव्यांगों ने अपने साथ हो रहे शोषण पर कड़ा रोष व्यक्त किया और प्रशासन से तत्काल उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई। साथ ही, उन्होंने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखने का निर्णय लिया। इस अवसर पर समिति की जिला कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मिश्र ने अमेठी निवासी प्रमोद कुमार तिवारी को प्रदेश संगठन मंत्री नियुक्त किया, जबकि हरिप्रसाद यादव को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में उपस्थित सभी दिव्यांगों ने एकजुटता दिखाते हुए अपने अधिकारों के लिए आर–पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया और जल्द ही बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी।

सड़क हादसे में महिला की मौत, एक महिला घायल

अमेठी(संवाददाता)। जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। तिलोई–सेमरौता मार्ग पर सुभाष पशुपति नाथ विद्यापीठ इंटर कॉलेज के पास यह घटना हुई। सुनील कुमार अपनी पत्नी सुनीता देवी और मोहनदेई के साथ बाइक पर शादी समारोह में जा रहे थे। इसी दौरान सेमरौता की ओर जा रहे ई–रिक्शा पर लदे दरवाजे का बाहर निकला गेट उनकी बाइक से टकरा गया। हादसे में हेलमेट पहने होने के कारण सुनील को मामूली चोटें आईं। लेकिन पीछे बैठी सुनीता देवी और मोहनदेई के सिर पर गंभीर चोटें लगीं। तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलोई ले जाया गया। वहां से दोनों महिलाओं को गंभीर हालत में रेफरल अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान 32 वर्षीय सुनीता देवी की मौत हो गई। 62 वर्षीय मोहनदेई को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी राकेश सिंह के अनुसार, ई–रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मृतक सुनीता के 10 वर्षीय बेटे और 14 वर्षीय बेटी के सिर से मां का साया उठ गया है। गांव में शोक की लहर है। पुलिस प्रशासन ने वाहनों पर सामान लादते समय सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

कैंसर से पीड़ित 15 साल की किशोरी ने दी जान

अमेठी(संवाददाता)। जिले के बाजार शुकुल स्थित इंदरिया के पूरे रामदीन गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गले के कैंसर से पीड़ित 15 वर्षीय सुनीता ने आत्महत्या कर ली। वह एक गरीब किसान हरीराम की बेटी थी। सुनीता पिछले कई महीनों से गले की बीमारी से जूझ रही थी। उसका इलाज चल रहा था और डॉक्टरों ने सर्जरी भी की थी। सर्जरी के बाद भी वह लगातार दर्द से कराहती रहती थी। परिवार ने कई स्थानीय डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन बीमारी का पूरा इलाज नहीं हो पाया। रविवार की दोपहर सुनीता ने पेड़ की डाल से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की मां ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण बेटी के इलाज में परेशानी आ रही थी। गरीबी और इलाज की चिंता से सुनीता मानसिक रूप से परेशान थी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष दयाशंकर मिश्र मौके पर पहुंचे। उन्होंने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश लेकर किया शोभायात्रा

अमेठी(संवाददाता)। जगदीशपुर क्षेत्र के आरिकपुर बगाही में आयोजित होने वाली सात दिवसीय भागवत कथा की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। यह कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर रनकापुर और रानीगंज के रास्ते दंडेश्वर धाम तक पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थीं। मार्ग में कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। गाजे–बाजे की धुन पर लोगों ने नृत्य भी किया। कार्यक्रम के आयोजक राम पाल यादव ने बताया कि भागवत कथा 24 फरवरी से 2 मार्च तक चलेगी। इसके बाद 3 मार्च को पूर्ण आहुति हवन और 4 मार्च को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य यजमान रामपाल यादव के अलावा श्याम सुंदर यादव, आशीष यादव, राजेश यादव, धर्मदेव यादव, शिव कुमार, आशुतोष यादव, रामबरन यादव, राममिलन यादव और राम सुमिरन यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मन की बात में पीएम मोदी का संदेश, कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सुना कार्यक्रम

अमेठी(संवाददाता)। संग्रामपुर के गोरखापुर शक्तिकेंद्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बात सामूहिक रूप से सुना। वरिष्ठ मार्गदर्शक कन्हैया लाल पांडेय के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों पर चर्चा की। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष देव नारायण, भाजपा मंत्री दिनेश तिवारी और किसान मोर्चा ब्लॉक मंत्री राम सिंह समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मातृ संगठन के प्रमोद पांडे, बूथ अध्यक्ष शंभूनाथ और अन्य कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा कि यह कार्यक्रम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक रहा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से समाज और राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शन मिलता है। कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से स्पष्ट है कि भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्रहित में काम करने को तैयार है। कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ मार्गदर्शक कन्हैया लाल पांडेय का विशेष आभार जताया। उनके आतिथ्य और घुगुरी चाय–पानी की व्यवस्था ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। भाजपा संगठन ने एकजुटता के साथ राष्ट्रसेवा में आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में हस्तशिल्पियों को मिला प्रशिक्षण, बच्चों ने देखी प्रदर्शनी

बाराबंकी(संवाददाता)। जनपद में वस्त्र मंत्रालय और एलीको हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से एक महत्वपूर्ण पहल की गई। लखपेडाबाग स्थित मालिक मैरिज हॉल में तीन दिवसीय शिल्प जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 21 से 23 फरवरी 2025 तक चला। हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय के एचपीओ अविनाश गौतम ने समापन किया। उन्होंने हस्तशिल्पियों को विशेष बुकलेट वितरित की। कार्यक्रम में हस्तशिल्पियों और छात्रों को पारंपरिक शिल्प की जानकारी दी गई। प्रदर्शनों के माध्यम से शिल्प कला की बारीकियां समझाई गईं। हस्तशिल्पियों को अर्टीजन किट भी दी गई। स्कूली बच्चों ने क्राफ्ट प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र की सहायक आयुक्त रूबी जमशेद और एलिको हैंडिक्राफ्ट की निदेशक अफसाना खघन मौजूद रहीं। राष्ट्रीय और प्रादेशिक पुरस्कार विजेता शिल्पगुरु माधुरी मिश्रा भी उपस्थित थीं। रजत कुमार गुप्ता, शगुफ्ता अंसारी और राज्य पुरस्कार विजेता पुष्पा देवी ने भी शिरकत की। निदेशक रंजीता गौतम की उपस्थिति भी रही। बाराबंकी चिकनकारी क्लस्टर के 20 हस्तशिल्पियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

महानिदेशक युवा कल्याण ने मण्डलीय अधिकारियों के साथ की बैठक

बहराइच (संवाददाता) । महानिदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल उत्तर प्रदेश चौत्रा वी. ने विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप निदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल गोरखपुर जोन, मण्डल के चारों जनपद के जिला युवा कल्याण अधिकारी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा सतीश पाण्डेय के साथ मण्डलीय समीक्षा बैठक की। बैठक में महानिदेशक महोदया द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी एवं उनके क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किया गया। उन्होनें पीआरडी जवानों को वर्दीधारी सुरक्षाबल होने के कारण अपनी ड्यूटी दायित्वों का निर्वहन एवं अनुपालन एवं पूर्ण निष्ठा के साथ करने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त मंगल दल के सदस्यों तथा अन्य युवाओं को यूथ पालियामेन्ट में प्रतिभाग करने हेतु माई भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन हेतु भी निर्देशित किया। महानिदेशक चौत्रा वी. ने प्रत्येक ब्लाक में जवानों के लिए मिनी स्टेडियम अथवा खेलकूद मैदान बनाये जाने के निर्देश दिये। इस हेतु उन्होनें मुख्य विकास अधिकारी से शीघ्र आपेक्षित कार्यवाही करने को कहा। वित्तीय वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद के मैदान को डेवलप किया जाय। उन्होनें सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों से कहा कि कार्य क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को रखा जाय इसका शीघ्र निराकरण कराया जायेगा। बैठक से पूर्व महानिदेशक श्रीमती चौत्रा वी. के लो.नि.वि. निरीक्षण भवन पहुंचने पर गार्ड आफ आनर दिया गया तथा जिलाधिकारी मोनिका रानी ने शिष्टाचार भेंट की।

जिले के 125 परीक्षा केन्द्रों पर आज से आरम्भ होगी बोर्ड परीक्षा

बहराइच (संवाददाता) । जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार ने बताया कि जनपद के 125 परीक्षा केन्द्रों पर माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा 24 फरवरी से 12 मार्च 2025 तक आयोजित वर्ष–2025 की हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट की परिक्षायें दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 08.30 बजे से पूर्वान्ह 11.45 बजे तक एवं द्वितीय पाली में अपरान्ह 02.00 बजे से अपरान्ह 05.15 बजे तक सम्पन्न होंगी। डीआईओएस श्री अहिरवार ने बताया कि शासन एवं जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर जनपद में बोर्ड परीक्षा को सकुशल, शान्तिपूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। डीआईओएस ने बताया कि जनपद में अवस्थित 125 परीक्षा केन्द्रों को 08 जोन व 30 सेक्टरों में विभाजित कर किया गया है। जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ–साथ सेक्टरवार व ज़ोनवार मजिस्ट्रेटों की तैनाती की डीएम द्वारा की गई है। इसके अतिरिक्त प्रश्न पत्रों के पहुँचने से पूर्व परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल की तैनाती कर दी गयी है। बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट स्थित ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के कार्यालय में स्थापित आनलाइन कन्ट्रोल रूम की निगरानी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा की जायेगी। डीआईओएस ने बताया कि शासन व बोर्ड के दिशा निर्देशों के अनुसार बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु डीएम द्वारा समस्त केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक, स्टेटिक, सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।